# नए साल पर मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु, दर्शन की लंबी कतारें

नव भारत न्यूज

**इंदौर। आज नए साल पर शहर एक प्रमुख मंदिरों पर दर्शनार्थियों की बहुत भीड़ उमड़ी। सबसे ज्यादा श्रद्धालु खजराना गणेश, रणजीत हनुमान,बिजासन माता, अन्नपूर्णा मंदिर और पितृ पर्वत पर दर्शन के लिए पहुंचे। उपरोक्त सभी मंदिरों में दर्शन करने के लिए लंबी लंबी कतारें लगी हुई थी।**

आज 2026 जनवरी साल के पहले दिन शहर के मंदिरों में श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों की बहुत भीड़ लगी रही। शहर में सबसे ज्यादा लंबी कतारें खजराना गणेश और रणजीत हनुमान मंदिर में नजर आई।

खजराना गणेश में करीब 3 लाख श्रद्धालुओं के दर्शन करने की जानकारी आई है। नए साल के लिए प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की थी। सबसे खास बात यह रही कि मंदिर के गर्भ गृह और वीआईपी दर्शन की व्यवस्था के बजाय बेरिकेटिंग कर

श्रद्धालुओं को सीधे की पांच कतारों से दर्शन करवाए गए। भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति ने पार्किंग और झिग झेग लाइन बनाकर पुख्ता व्यवस्था की थी। ठंड होने एक बावजूद खजराना गणेश मंदिर में दर्शनार्थियों का ताता लगा हुआ था और मंदिर के अंदर भी लंबी कतार लगी हुई थी। शहर के पश्चिम क्षेत्र में रणजीत हनुमान मंदिर में भी सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई थी। सूर्य उदय के बाद मंदिर भारी भीड़ उमड़ी । मंदिर के बाहर मेन रोड पर पुलिस ने वाहन खड़े नहीं होने दिए और पार्किंग में वाहन खड़े करने के जगह नहीं थी। इसके बावजूद दर्शनार्थियों ने इधर उधर गलियों में वाहन खड़े कर दर्शन किए।

रणजीत हनुमान के मुख्य पुजारी पंडित दीपेश व्यास ने बताया कि शाम तक दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर लिए थे। दर्शनार्थियों के आने का सिलसिला लगातार जारी है और रात 12 बजे तक तीन लाख से ज्यादा श्रद्धालु आने की संभावना है।

इसी तरह बिजासन माता मंदिर और अन्नपूर्णा मंदिर में भी नए साल पर एक एक लाख श्रद्धालुओं के दर्शन करने के जानकारी मिली है। पितृ पर्वत हनुमान मंदिर पर भी भारी भीड़ उमड़ी और 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए।

# आचरण सुधारेंगे तो उन्नति मिलेगी, समृद्धि भी आएगी : रामदास महाराज

- अरण्य धाम संत आश्रम पर महामंडलेश्वर, संत महंतों का समागम
- सुबह से रात तक दर्शनों की कतार, शाम को हुई महा आरती

**इंदौर. हम उन्नति और समृद्धि की अपेक्षा करते हैं लेकिन हमारी दिनचर्या और आचरण को सुधार नहीं रहे अगर इस पर ध्यान दे दिया और सनातन संस्कृति के मूल्य पर चलना शुरू कर दिया तो हमें आर्थिक लाभ तो होगा ही हमारा अध्यात्म से जुड़ाव भी हो जाएगा.**

यह विचार बावड़ी वाले हनुमान मंदिर अरण्य धाम संत आश्रम पर महामंडलेश्वर रामदास महाराज ने प्रदेश के संत महात्मा के साथ भक्तों के बीच व्यक्त किया. सीताराम भक्त मंडल के कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने बताया कि इस सिद्ध स्थान पर 31 दिसंबर 2003 में साकेत वासी महंत फलाहारी बाबा के द्वारा हनुमान जी के सम्मुख श्री अखंड रामायण पाठ की शुरुआत की गई थी जो 23 वर्ष पूर्ण होते हुए 24 में वर्ष में आज से प्रवेश पर उत्सव मनाया गया. दो दिनों से आश्रम परिसर में राम नाम जाप, हनुमान चालीसा पाठ, सुंदरकांड पाठ लगातार भक्तों के अलग-अलग समूह कर रहे हैं. आज सुबह से

शाम तक 12000 से ज्यादा भक्तों ने दर्शनों का लाभ लिया, शाम 5 बजे प्रदेश के ख्यात संत महात्मा. महामंडलेश्वर महंत आदि ने सामूहिक आरती की, हनुमान जी एवं शिव परिवार को छप्पन भोग लगाया गया. इसके बाद महामंडलेश्वर रामदास महाराज ने सभी संत महात्माओं का सम्मान किया.

**हजारों लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की**- सीताराम भक्त मंडल के 300 से ज्यादा सेवादारों ने दो दिनों से यहां व्यवस्थाओ में जुटे हुए हैं. शाम 6 बजे चलित भंडारे का शुरुआत की गई इसके बाद रात 8 बजे तक 7000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की, भंडारे का क्रम देर रात तक जारी रहा, जिसमें हजारों क्षेत्र वासियों की सहभागिता रही.

# इंदौर फिलेटेलिक ब्यूरो के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष आवरण का अनावरण

**इंदौर.** जीपीओ स्थित फिलेटेलिक ब्यूरो के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को विशेष आवरण का अनावरण पोस्टमास्टर जनरल इंदौर परिक्षैत्र प्रीती अग्रवाल द्वारा किया गया.

प्रीती अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में बताया कि मध्यप्रदेश के हृदय स्थल इंदौर शहर में डाक टिकटो को उनके संग्रहणकर्ताओ तक पहुँचाने के माध्यम स्वरूप इंदौर फिलेटेलिक ब्यूरो की स्थापना वर्ष 1975 में को इंदौर जीपीओ में की गई थी. इंदौर फिलेटेलिक ब्यूरो की स्थापना से लेकर अब तक ब्यूरो अपने अथक परिश्रम एवं डाक टिकट संग्रहणकर्ताओ के सहयोग से अपनी स्थापना के स्वर्ण जयंती की ओर अग्रसर हो राज्य एवं देश में अपनी विशेष पहचान बना रहा है. प्रीती अग्रवाल ने फिलाटेली के महत्व एवं डाक टिकटों के माध्यम से देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक

एवं सामाजिक धरोहर को संजोने में फिलाटेलिक ब्यूरो की भूमिका पर भी प्रकाश डाला. इंदौर फिलेटेलिक ब्यूरो पुरे प्रदेश में एक मात्र ब्यूरो है जिसका स्वयं का परमानेंट पिक्टोरिअल कैंसलेशन पीपीसी है, जिसमे इंदौर की शान राजवाड़ा की प्रतिकृति है.

## आमजन भी जारी करवा सकते हैं डाक टिकट

इंदौर फिलेटेलिक ब्यूरो के माध्यम से माय स्टाम्प की सुविधा की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत न्यूनतम शुल्क पर आमजन स्वयं अथवा प्रियजनों की तस्वीर के वैयक्तिक डाक टिकट भी तत्काल जारी करवा सकते है जिन्हें डाक प्रभार के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है. श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि इस ब्यूरो में आज़ादी के पहले के भी डाक सामग्री को आमजन हेतु प्रदर्शित किया . इस अवसर पर वरिष्ठ फिलाटेलिस्ट रविन्द्र नारायण पहलवान ने भी अपने विचार रखे . कार्यक्रम में डाक विभाग के अधिकारीगण, कर्मचारीगण वं इंदौर शहर के कई डाक टिकिट संग्राहक भी उपस्थिति रहे .

# इंदौर के साथ प्रगाढ़ संबंध रहा नरेश मेहता का

- विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान की आभासी गोष्ठी

**इंदौर.** विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान प्रयागराज उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित आभासी गोष्ठी का आयोजन किया गया. इसका विषय- नरेश मेहता एवं उनकी रचनाएं रहा. इस कार्यक्रम में करोड़ीमल महाविद्यालय के हिंदी विभाग सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोज ने वक्ता के रूप में अपना मंतव्य देते हुए कहा कि, नरेश मेहता की कृतियों में प्रकृति केवल परिवेश निर्माण का साधन नहीं बल्कि एक जीवंत चरित्र और सांस्कृतिक चेतना के रूप में उपस्थित होती है. हरिद्वार की असिस्टेंट प्रोफेसर निशा शर्मा ने कहा- नरेश मेहता के काव्य में सांस्कृतिक घटक तत्वों में धर्म, अहिंसा ,कर्म ,श्रद्धा, सत्य, त्याग , प्रकृति उपादान आदि का विस्तृत उल्लेख है. हरे राम बाजपेई, अध्यक्ष हिंदी परिवार,इंदौर ने नरेश मेहता साहित्यकार के साथ बिताए पल सांझा किए उन्होंने बताया कि उनकी पहली कृति बिना किसी फर्क की भूमिका

नरेश मेहता ने लिखी थी तथा 1998 में लोकार्पण के शुभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में आए थे. श्री वाजपेई ने बताया कि नरेश मेहता का संबंध इंदौर के साथ बड़ा प्रगाढ़ रहा यहां उन्हें सम्मान भी मिला और अवसाद भी झेलना पड़े. अध्यक्षीय भाषण में डॉ. विजयलक्ष्मी रामटेके, नागपुर, महाराष्ट्र,अध्यक्ष ,विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान ,प्रयागराज,उत्तर प्रदेश ने कहा-नरेश मेहता की रचनाएं समकालीन जीवन के जटिल प्रश्नों पर सोचने के लिए बाध्य करती हैं. संचालन डॉ. रश्मि चौबे, गाजियाबाद ,बाल संसद प्रभारी, विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ने किया. कार्यक्रम का शुभारंभ संतोष शर्मा की सरस्वती वंदना से हुआ. स्वागत भाषण प्रो. रोहिणी डाबरे ने क्दिया. कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति डॉ. गोकुलेश्वर द्विवेदी,सचिव, विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान की रही. आभार प्रदर्शन डॉ. सरस्वती वर्मा, सह प्रभारी छत्तीसगढ़ ने किया.

एक नजर में | गणेश नगर में शोभायात्रा के साथ हुआ नौ दिवसीय राम कथा का शुभारम्भ

# संस्कृति और संस्कारों का पोषण करती है रामकथा : पं. भार्गव

**इंदौर. रामकथा में स्नेह, दया और करुणा की वर्षा होती है. समुद्र का पानी खारा होता है लेकिन आकाश के सम्पर्क में आकर वर्षा जल के रूप में मीठा बन जाता है. आज अंग्रेजी नए वर्ष का पहला दिन है जो हमारा नया वर्ष तो नहीं है, लेकिन हम वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में विश्वास रखते हैं इसलिए सबको अपना मानते हैं. सज्जनों और श्रेष्ठ लोगों की संगत में आकर हमारा भी चरित्र निर्माण हो सकता है. रामकथा संस्कृति और संस्कारों का पोषण करती है. इसे हम भक्ति, कर्म और ज्ञान का संयोग भी कह सकते हैं. राम सत्य के साथ मर्यादा के भी संस्थापक हैं। सत्य का चिंतन और आचरण मनुष्य को सही दिशा में ले जाता है.**

बर्फानी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में गुरुवार से प्रारंभ हुई संगीतमय रामकथा में प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पं. मनोज भार्गव ने उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए. ब्रह्मऋषि स्वामी बर्फानी दादा महाराज की प्रेरणा से हो रहे इस अनुष्ठान का शुभारंभ सुबह गणेश नगर और आसपास के क्षेत्रों में निकली दिव्य शोभायात्रा के साथ हुआ. बाजों, भजन एवं गरब मंडलियों तथा परंपरागत परिधान में शामिल महिला पुरुषों के साथ यह शोभायात्रा जहाँ-जहाँ से निकली, भक्तों ने पुष्पवर्षा कर भगवान के जयघोष के बीच रामचरितमानस का पूजन किया.

## जीवन को करती है रिचार्ज

पं. भार्गव ने कहा कि रामकथा वह पतित पावन गंगा है, जिसमें स्नान के बाद हर तरह के पाप, ताप और संताप से मुक्ति मिल सकती है. गोस्वामी तुलसीदास ने रामायण के रूप में भारतीय संस्कृति को एक अदभुत और अलौकिक सौगात दी है. युगों-युगों से देश के जन मानस में सुबह से लेकर शाम तक और शाम से रात तक कोई स्वर गूंजता है तो वह राम का ही नाम है. जिस तरह मोबाईल को नया जीवन देने के लिए रिचार्ज कराना पड़ता है, उसी तरह रामकथा भी हमारे जीवन को रि-चार्ज करती है.

एक बग्घी में कथा व्यास पं. भार्गव एवं अन्य साधु संत विराजित थे जिनका अनेक स्थानों पर स्वागत किया गया. कथा स्थल पहुँचने पर आयोजन समिति की ओर से तुलसीराम-सविता रघुवंशी एवं संयोजक रेवतसिंह रघुवंशी, नरेन्द्र मिश्रा, शालिग्राम व्यायामशाला के रामचंद्र पाटीदार, रामसिंह राजपूत, मलखान सिंह कुशवाह, देवकरण यादव आदि ने व्यास पीठ एवं रामचरितमानस का पूजन किया. कथा में आज रामचरितमानस और भारतीय संस्कृति की महत्ता सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे. संध्या को आरती में सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया. संयोजक रेवतसिंह रघुवंशी ने बताया कि गणेश नगर में कथा 9 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 1 से सांय 5 बजे तक होगी.